

- आज विश्व जल दिवस है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा— जल सभ्यताओं की जीवन-रेखा रहा है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करने की आवश्यकता है।
- कृषि सचिव पल्लवी सरकार की अध्यक्षता में द्वीपसमूह में फसलों की अट्ठारह नई किस्मों की शुरुआत की पहल।
- द्वीपसमूह के पत्तन प्रबंध बोर्ड ने पोर्ट एंट्री पास मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का ट्रायल वर्जन लॉन्च किया।
- आई पी एल का अट्ठारहवां संस्करण आज शाम कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगा।



आज विश्व जल दिवस है। इसका उद्देश्य वर्ष दो हजार तीस तक सभी के लिए पानी और स्वच्छता सुनिश्चित करना है। इस वर्ष का विषय है—ग्लेशियर संरक्षण। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता दोहराई। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक वीडियो साझा किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जल, सभ्यताओं की जीवन रेखा रहा है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करने की आवश्यकता है। वहीं, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने कहा है कि जल संकट वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है, लेकिन भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन ने करोड़ों घरों में नल का जल उपलब्ध कराया है। अटल भूजल योजना ने गिरते जल स्तर के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाई है और अमृत सरोवर अभियान ने जल स्रोतों को नया जीवन दिया है। श्री पाटिल ने लोगों से हर एक बूंद को संरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल समृद्ध भारत बनाने का संकल्प लेने का आग्रह किया।



प्रशासन की कृषि सचिव पल्लवी सरकार की अध्यक्षता में सचिवालय में कृषि एवं बागवानी फसलों के लिए केन्द्रशासित प्रदेश बीज उप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में फसलों की अट्ठारह नई किस्मों को जारी करने पर विचार किया गया। केन्द्रशासित बीज उप-समिति में विचार के लिए प्रस्तुत फसल किस्मों के प्रस्ताव में चावल, हरा चना, काला चना, बैंगन, मालाबार इमली और तेजपत्ता शामिल हैं। बैठक में कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए इन किस्मों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। केन्द्रशासित प्रदेश बीज उप-समिति के सह-संयोजक डॉ. दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने स्थानीय किसानों की मुख्य भूमि से खरीदे गए बीजों पर निर्भरता के बारे में चिंता को उजागर किया। उन्होंने मुख्य भूमि के आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए स्थानीय रूप से प्राप्त बीजों की आवश्यकता व्यक्त की, जो किसानों के लिए बेहतर पहुंच और उपलब्धता में मदद कर सकता है। कृषि सचिव ने इस बात पर बल दिया कि यदि मालाबार इमली और तेजपत्ता की किस्मों को द्वीप के खेतों में सफलतापूर्वक लागू किया जाता है, तो इससे निर्यात के अवसर पैदा हो सकते हैं। अपनी अनूठी विशेषताओं और बढ़ती मांग के साथ, दोनों फसलें क्षेत्र के कृषि निर्यात को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, जिससे स्थानीय किसानों और केंद्रशासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।



‘अर्थ ऑवर’ को बढ़ावा देने के लिए, श्री विजयपुरम के विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से आज रात साढ़े आठ से साढ़े नौ बजे तक अपनी बिजली की खपत वाले उपकरण, सजावटी लाइटें, फ्लड लाइटें और अन्य सभी गैर-जरूरी लाइटें बंद करने की अपील की है। ‘अर्थ ऑवर’ एक वैश्विक कार्यक्रम है, जो दुनिया भर के लोगों को पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए एक साथ आने के लिए प्रोत्साहित करता है। विद्युत विभाग ने सभी से इस ‘अर्थ आवर’ में भाग लेने का अनुरोध किया है और एक घंटे के लिए सभी अनावश्यक लाइटें बंद करने को कहा है, ताकि अपनी ऊर्जा खपत को कम करके कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके और ग्रह को हरा-भरा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके।



